प्रेस विज्ञप्ति

आईटीआई लिमिटेड ने आइलैंटस प्रौद्योगिकी के साथ आइडेटिंफिकेशन तथा एक्सेस मैनेजमेंट (आईएएम) का समाधान प्रदान करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

बेंगलूरु : *भारत में साइबर खतरों की चिंताओं को दूर करने हेतु, सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम आईटीआई लिमिटेड, जो दूरसंचार और रक्षा उपकरणों का विनिर्माण करता है, इलैंटस प्रौद्योगिकी के साथ सरकारी एजेंसियों, रक्षा और सार्वजनिक क्षेत्रों को मेक-इन-इंडिया, विश्व स्तरीय आइडेटिंफिकेशन तथा एक्सेस मैनेजमेंट (आईएएम) समाधान प्रदान करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।*

समझौता ज्ञापन के अंतर्गत, आईटीआई और आइलैंटस आइडेटिंफिकेशन तथा एक्सेस मैनेजमेंट समाधान के माध्यम से आज के खंडित आईडेंटिटी परिदृश्य की चुनौतियों का समाधान करेगा, जो एक उत्पाद के अंदर सभी विशेषताओं के साथ दुनिया में एकमात्र समाधान है। आईटीआई लिमिटेड, आईएएम वर्ग में 20 वर्षों के वैश्विक अनुभव के अनुरूप तथा संयुक्त रूप से कार्य करते हुए देश के सरकारी संगठनों को समाधान प्रदान करेगा।

आईटीआई लिमिटेड के अध्यक्ष एंव प्रबंध निदेशक, श्री आर एम अग्रवाल ने इलैंटस के साथ समझौता ज्ञापन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, "हमारी बाजार की पहुंच और संसाधनों तथा आइलैंटस की उत्पाद दृष्टि को देखते हुए, हम निश्चित रुप से कह सकते है कि इससे कई नए रास्ते खुलेंगे।"

बेंगलूरु में आईटीआई के कैप्टिव टियर-3 डेटा सेंटर होने के कारण आईटीआई भारत भर में एसएएएस (सास) और प्रबंधन सेवाओं के लिए भारत आधारित

होस्टिंग तथा इसके लिए पूरी तरह से सुरक्षा प्रदान करने हेतु मजबूत स्थिति में है।

रिपोर्ट के अनुसार, 15.1% की यौगिक वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) पर उपभोक्ता पहचान और अभिगम प्रबंधन बाजार 2020 में 7.6 बिलियन अमेरीकी डालर (यूएसडी) से बढ़कर 2025 तक 15.3 बिलियन अमेरीकी डालर (यूएसडी) तक पहुंचने का अनुमान है । आइडेटिंफिकेशन तथा एक्सेस मैनेजमेंट (आईएएम) समाधान अंतिम उपयोगकर्ताओं द्वारा नेटवर्क, सिस्टम और एप्लिकेशन तक अभिगम का निर्धारित करने और नियंत्रित करने में उद्यमों की मदद करता है। साइबर स्पेस के खतरों के वर्तमान परिदृश्य के अंतर्गत, भारत में आईएएम की आवश्यकता कई गुना बढ़ गई है।